व्यवहारिक विशेषताएं (Behavioural Characteristics)

1. आवेगी स्वभाव का होना (Impulsive in nature)

ऐसे बालकों का स्वभाव काफी आवेगी होते है. क्योंकि जब यह अपना इच्छा प्रदर्शन पढ़ाई मे नहीं कर पाते है, तो अभिभावको द्वारा जो प्रतिक्रिया दी जाती है. उससे यह इन बच्चो का आत्म-विश्वास कम होने लगता है. और अपने आप को हताश मान कर स्वभाव से चिड़-चिड़ा हो जाते है. जिस कारण यह अपना व्यवहार मे आवेगी स्वभाव को शामिल कर के अपने भाव को स्पष्ट करते है।

2. विस्फोटक स्वभाव का होना (Explosive Behaviour)

अपना गुस्सा या अपनी असफलता को प्रदर्शन करने का जो माध्यम इन बच्चो मे देखा जाता है. उनमें या तो बच्चे बहुत शांत हो जाते है या काफी उग्र

ARYAN Page No. Date / /

हो जाते हैं, जिस कारण यह अपना भाव तोड़-फोड़ या फेंक कर अपना भाव या गुस्सा प्रदर्शित करते हैं।

3. सामाजिक संपन्नता की कमी (Lack of Social Competence)

ऐसे बालकों में आत्म विश्वास की कमी पायी जाती है, कारण ऐसे बच्चों को पहचान पाना घर एवं विद्यालय में मुश्किल होता है, क्योंकि यह शारीरिक रूप से बिलकुल तंदुरुस्त होते हैं। परन्तु इन्हें पढ़ाई से संबंधित समस्या होती है, जिस कारण कभी-कभी अभिभावको द्वारा इन्हें स्वीकार कर पाना मुश्किल हो जाता है, और बच्चों को दोषी बना कर हर जगह प्रस्तुत करते हैं, जिससे बच्चों में हीन भावना ग्रसित हो जाती है और वे सामाजिक स्थान एवं सामाजिक कार्य से ~~घर~~ जाने में हिचकिचाते हैं, और धीरे-धीरे इनकी छवी बनती जाती है।

4. कमी एवं परिवर्तनों में सामंजस्य बनाने में असमर्थता (Unable to adjust in changes)

ARYAN Page No. Date / /

चूंकि ऐसे बालकों में सामंजस्यता कम देखी जाती है. जिस कारण यह बालक नए माहौल एवं जिन चीज में यह अपने आप को ढाल चुके है. उनसे हटकर किसी भी चीज की कमी को बर्दाश्त नहीं कर पाते है. जिस कारण उन्हें सामंजस्य बैठाने में दिक्कत होते है।

6. स्वभावों में तुरन्त-तुरन्त परिवर्तन करना (Rapid mood variation)

चूंकि ऐसे बच्चों के स्वभाव को शिक्षक एवं अभिभावक द्वारा पहचान एवं स्वीकार कर पाना थोड़ा समय लेता है. जिस कारण बालक अपने आप को अकेला महसूस करता है. और जिस स्थान घर या विद्यालय जहाँ वह अपने आप को सुरक्षित पाता है, वहाँ पर सरल होकर अपना भाव व्यक्त करता है. और जिस स्थान पर असहजता महसूस करता है, वहाँ पर अपना व्यवहार को क्रोध से व्यक्त करके प्रदर्शित करता है अतः ऐसे बालक तुरन्त - तुरन्त स्वभाव में परिवर्तन करके अपना भाव व्यक्त करते है।